CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(AMENDMENNT OF ARTICLE 348)

श्री ओम प्रकाश त्यागी (मुरादाबाद) : सभापति महोदया, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि भारत के संविधान का और संशोधन करने वाले विधेयक को पेश करने की अनुमति दी जाय ।

MR. CHAIRMAN : The question is :

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : मैं विधेयक पेश करता हूँ ।

SHRI S. M. BANERJEE : Madam, Mr. Nath Pai has come.

MR. CHAIRMAN : You would like to move your Bill ?

WORKMEN'S COMPENSATION (AMEMDMENT) BILL*

(AMENDMENT OF SECTIONS 2 AND 15)

SHRI NATH PAI (Rajapur) : I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Workmen's Compensation Act, 1923.

MR. CHAIRMAN : The question is :

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Workmen's Compensation Act, 1923."

The motion was adopted.

SHRI NATH PAI : I introduce† the Bill.

15.10 hrs.

CONFERMENT OF DECORATIONS ON PERSONS (ABOLITION) BILL
Contd.

MR. CHIARMAN : Now we come to the consideration of the Bill movd by Mr. Kripalani.

Shri Yamuna Prasad Mandal to continue his speech. If the hon. Member comes to the front bench, it will be better.

श्री यमुना प्रसाद मंडल (समस्तीपुर) : सभापति महोदया, मैं उस दिन कह रहा था कि यह उपाधियां और अलंकरण यह दो विभिन्न चीजें हैं । मगर लोक सभा में हिन्दी रूपांतर करने वाले लोगों ने कन्फरिंग ऑफ डेकोरेशन्स एन्ड टाइटिल्स को हिन्दी में इस तरह से रूपांतरित किया कि व्यक्तियों को उपाधियों से विभूषित करना, विभूषित करने की बात हो तो वहां उपाधियां नहीं हो सकतीं, यह अलंकार की बात है । मैं कहना चाहता हूँ कि उपाधियां और अलंकरण यह दो चीजें हैं–टाइटिल्स एन्ड डेकोरेशन आर टू डिफरेंट थिंग्स । और जो बिल पेश किया है कृपालानी जी ने उसमें उनका मतलब उपाधियों की ओर है या अलंकरण की ओर है यह साफ उस बिल से जाहिर नहीं होता । जब वह आबजेक्ट एंड रीजन्स वगैरह पढ़ रहे थे तो उसमें कहते है टाइटिल और शुरू में कहते हैं डेकोरेशंस । तो मैं बराबर कहता आया हूं कि यह दो चीजें हैं–अलंकरण और उपाधियां और इसके सम्बन्ध में मैंने एक सुझाव भी दिया, नाथ पाई साहब और इनके साथी लोग एन्साइक्लोपीडिया ले लें और देख लें कि टाइटिल्स और डेकोरेशन्स और और चीजों में कितना फर्क है। सारे पश्चिम के भूभागों में, बड़े-बड़े क्रांतिकारी देशों में, कोरिया में और और जगहों में उपाधियां दी जाती हैं । सचमुच में टाइटिल्स

*Published in the Gazette of India Extraordinary, part II, section 2, dated 11-12-70.
†Introduced will the recommendation of the President.